भजन

प्रेमी दिवाने मस्ताने पीये जा,पीये जा

1–चौदह भवन से जाम निराला,पिये अर्श की निसबत वाला
उसके अन्दर होए उजाला

2–जिसने पिया जाम हकीकी, उसको दुनिया लागे फीकी
लेवे लज्जत हक नजदीकी

3–बैठे सतगुरू बन के साकी,जिसके पिए मिले हैयाती
सुध पड़े अर्श बका की